an>

Title: Issue relating to generation of hydro power in Banswara, Rajasthan.

**श्री मानशंकर निनामा (बांसवाड़ा) :** अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से विनम्रतापूर्वक कहना चाहता हूं कि बांसवाड़ा जिले के अंतर्गत ग्राम पंचायत - घाटोल में माही परियोजना के दाएं मुख्य नहर पर पनबिजली उत्पादन केन्द्र बना हुआ है। यहां 400 किलोवाट की दो मशीनें लगी हुई हैं। माही परियोजना के अंतर्गत कागदी पिक-अप से 550 क्यूसेक के बजाय अब 1200 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से पानी का दबाव तीन गुना बढ़ गया है।

भविष्य में भीख भाई सागवाड़ा कैनाल का कार्य पूर्ण होने के बाद 1200 क्यूसेक से भी अधिक पानी छोड़ना प्रस्तावित है। पानी व मशीन हेड करीब-करीब 18 मीटर हैं। पुराने कल-पुर्जे एवं तंत्र की लचरता की वजह से कई वर्षों से विद्युत उत्पादन में भारी क्षति हो रही है। बार-बार मशीनें बन्द हो जाने के कारण नहर में पानी के प्रवाह को ज्यादा या कम करना मुश्किल भरा है, जिसके चलते आरएमसी के टेल तक पानी पहुंचना मुश्किल भरा एवं व्यवहारिक रूप से तकलीफदेह है। इसके चलते किसानों में भी भारी रोष व्याप्त है। यही स्थिति इसी क्षेत्र के मिनी पावर उत्पादन केन्द्र भीमपुर आरएमसी-2 की भी है।

अतः मैं निवेदनपूर्वक कहना चाहता हूं कि विद्युत उत्पादन केन्द्र माही परियोजना, आरएमसी-1 पर उत्पादन में पुरानी मशीनें हटाकर वर्तमान क्षमता वाली मशीनें लगाकर विद्युत उत्पादन दोगुना करने की कृपा की जाए।

**माननीय अध्यक्ष :**

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री मानशंकर निनामा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।